


---

Janakipanchakam

——  
जानकीपञ्चकम्

——  
Document Information



---

Text title : jAnakIpanchakam

File name : jAnakIpanchakam.itx

Category : panchaka, devii, sItA, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : Jonathan Wiener wiener78 at sbcglobal.net, NA

Latest update : August 2, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.


---

December 18, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



——  
जानकीपञ्चकम्



मातृके सर्वविश्वैकधात्रीं क्षमां  
त्वां सुधां शीतलां पुत्रपुत्रीनुताम् ।  
स्नेहवात्सल्यधारायुतां जानकीं  
तां नमामीश्वरीं मातरं प्रेमदाम् ॥ १ ॥

नूपुरानन्ददां किङ्कणीमेखलां  
शातकुम्भाङ्गदां हाररत्नाकराम् ।  
कुण्डलाभूषणां मौलिहीरोज्वलां  
तां नमामीश्वरीं मातरं प्रेमदाम् ॥ २ ॥

मेघवृन्दालकां मन्दहासप्रभां  
कान्तिगेहाक्षिणी स्वर्णवर्णाश्रयाम् ।  
रक्तबिम्बाधरां श्रीमुखीं सुन्दरीं  
तां नमामीश्वरीं मातरं प्रेमदाम् ॥ ३ ॥

पद्ममालाधरां पद्मपुष्पारितां  
पद्मवर्णाम्बरां पाणिपद्माश्रयाम् ।  
पद्मपीठस्थितां पादपद्मावृतां  
तां नमामीश्वरीं मातरं प्रेमदाम् ॥ ४ ॥

भुक्तिमुक्तिप्रदां पुष्टितुष्टिप्रदां  
ज्ञानविद्याददां पुष्कलानन्ददाम् ।  
शुद्धिदां बुद्धिदां शक्तिदां सिद्धिदां  
तां नमामीश्वरीं मातरं प्रेमदाम् ॥ ५ ॥

इति जानकीपञ्चकं सम्पूर्णम् ।



*Janakipanchakam*

pdf was typeset on December 18, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

